

service proved so popular that the I.A.C. had to run two services a week during the last season and propose to run 4 services a week during the ensuing season. With the construction of the proposed air-strip near Khajuraho it will eliminate the road journey of about 2 hours between Panna and Khajuraho and tourist will get more time for seeing the temples properly. Warranting traffic the air-services could be run on daily basis.

Sanction has already been accorded for the installation of a 40 gallon water cooler in the premises of the Tourist Bungalow (Class I) at Khejuraaho with 4 mobile trolliers to serve cold drinking water to the tourists at various monuments at Khajuraho.

In addition to a guide lecturer provided by the Archaeological Survey of India the Department of Tourism have also appointed a Guide Lecturer at Khajuraho to take the tourists round the temples.

The scheme for beautification of the areas around the temples at Khajuraho included under the Third Five Year Plan of the Central Government could not be taken due to lack of adequate water supply at Khajuraho. With the construction of the Benigunj Dam 7 miles away from Khajuraho it is expected that sufficient water will become available for horticultural operations and the scheme for beautification can be taken up soon.

The Department of Tourism have published a separate folder on Khajuraho and a separate Chapter on Khajuraho is also included in the Guide of Madhya Pradesh. This literature is widely circulated in India and abroad through the Government of India Tourist Offices, Indian Diplomatic Missions, air-lines, travel agencies and other offices. A film on Khajuraho produced some years back is also shown to selected audiences in India and abroad.

*Sanchi:*

The Central Government are running a Tourist Bungalow (Class I) with 10 beds at Sanchi. Detailed information about Sanchi is included in the literature on Madhya Pradesh produced by this Department and widely circulated. Sanchi is also described at length in the Tourist literature on Buddhist Monuments produced by the Department of Tourism.

The State Government is taking steps to provide proper transport facilities to Sanchi & Khajuraho from Bhopal and Chattarpur respectively. They are also considering provision of cars for local transport at these centres.

### रूस से मशीनें

1035. श्री श्रीकार लाल बेरबा : क्या लाहल तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान सूरतगढ़ फार्म के लिये हाल में रूस से कुछ मशीनें मंगवाई गई हैं; और

(ख) यदि हां, तो उनका मूल्य कितना है और वे किस काम के लिये मंगवाई गई हैं ?

लाहल तथा कृषि मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाहनबाख्ता) : (क) और (ख). रूस से सूरतगढ़ फार्म के लिए 13,152 रुपये की लागत के निम्न कृषि औजार मंगाने का आर्डर दिया गया है :—

	संख्या
(1) मेज़ कोब शैलर	१
(2) पोटेटो हर्वेस्टिंग मशीन	१
(3) ट्रेटिंग माउन्टिड हो	१
(4) प्लो	१
(5) माउन्टिड प्लान्टिंग होल डिगर	१
(6) स्ट्रॉ एण्ड सिनो कटर	१

इन मशीनों की कृषि कर्षों के लिए आवश्यकता है और अभी तक ये मूरतगढ़ फार्म में नहीं पहुँचे हैं।

### कोटा में केन्द्रीय फार्म

1036. श्री झोंकार लाल बेरवा : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कोटा, राजस्थान में केन्द्रीय फार्म खोला गया है;

(ख) यदि हाँ, तो अब तक का क्या परिणाम रहा; और

(ग) इसकी पैदावार किस प्रकार बेची जाती है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाहनवाज खाँ) : (क) कोटा में एक अनुसन्धान फार्म है जोकि खाद्य और कृषि मंत्रालय के भूमि संरक्षण अनुसन्धान, प्रदर्शन तथा प्रशिक्षण केन्द्र से संलग्न है।

(ख) इस केन्द्र में हुए परीक्षणों से पता चला है कि : —

(१) चराई तथा अन्य जैविक हस्तक्षेप बन्द हो जाने से चम्बल के अधिक ऊबड़-खाबड़ वाले क्षेत्रों के नियंत्रण में सहज्यता मिली है और इसके परिणामस्वरूप घनी प्राकृतिक वनस्पति तथा अच्छी किस्म की घासों व वृक्षों में वृद्धि हुई है। घास की प्रति हेक्टर उपज भी बढ़ गई है।

(२) चम्बल की अधिक ऊबड़-खाबड़ भूमि, ईंधन तथा चारे के उत्पादन के लिये उपयुक्त हैं; और

(३) कृषि हेतु कछार ऊबड़-खाबड़ भूमि का सुधार सम्भव है।

(ग) केन्द्र की फालतू उपज को सहकारी समिति, अनाज मंडी, कोटा द्वारा अनुसन्धान

केन्द्र के 2 राजपत्रित अधिकारियों की उपस्थिति में नीलाम कर दिया जाता है। फार्म की कुछ उपज को आस-पास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रचार करके केन्द्र द्वारा बेचा/नीलाम किया जाता है। नीलामी से पूर्व बाजार के चालू भावों के आधार पर आरक्षित मूल्य निर्धारित किया जाता है।

### मिट्टी का तापमान

1037. श्री झोंकार लाल बेरवा : क्या असेनिक उद्बयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या मिट्टी का तापमान मापने के लिये नये तरीके के उपकरण विकसित करने के प्रयोग भारत में किये जा रहे हैं;

(ख) यदि हाँ, तो वह प्रयोग कहाँ-कहाँ पर किया जा रहा है; और

(ग) इस प्रयोग का रूप-रेखा और आधार क्या है ?

असेनिक उद्बयन मंत्री (श्री कानूनगो) :

(क) से (ग). विभिन्न गहराइयों पर मिट्टी के तापमान को मापने के लिए केन्द्रीय कृषि मौसम विज्ञान वैधशाला (सेन्ट्रल एपीकल्चरल मीटियोरोलोजिकल आबजर-वेटरी) पूना में एक यंत्र बनाया गया है जोकि थर्मोइलेक्ट्रिक सिद्धान्त पर आधारित है। लेकिन यह नया यंत्र केवल अनुसन्धान के प्रयोजनों के लिए उपयुक्त पाया गया है।

मिट्टी की नमी को मापने के लिए केन्द्रीय कृषि मौसम विज्ञान वैधशाला, पूना द्वारा कुछ प्रयोग भी किये जा रहे हैं जोकि, मिट्टी के तापमान के घटते बढ़ते रहने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए मिट्टी की नमी पर, मिट्टी की विद्युत् संचालकता (इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी) के निर्भर रहने के सिद्धान्त पर आधारित हैं। ये प्रयोग अभी खोज की अवस्था में हैं।